बर्ड-विंग सोलर इवेंट

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स](#)

नासा ने एक विशाल सौर विस्फोट का निरीक्षण किया है, जिसे इसके पक्षी के पंख जैसे प्लाज्मा संरचना के कारण "बर्ड-विंग" घटना नाम दिया गया है। हालाँकि इसने एक गंभीर भू-चुंबकीय तूफान की चिंता उत्पन्न की लेकिन पृथ्वी सीधे हमले से बच गई, और केवल न्यूनतम प्रभाव का अनुभव किया।

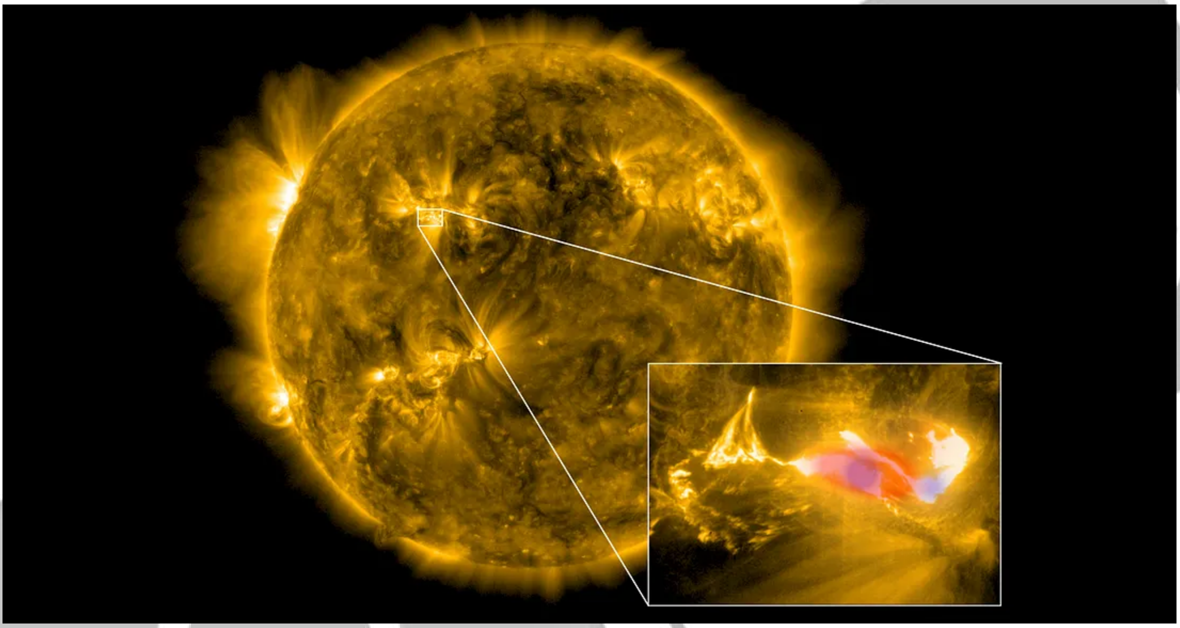

बर्ड-विंग सोलर इवेंटउत्पत्ति: यह विस्फोट **सूर्य के उत्तरी गोलार्ध से उत्पन्न हुआ,** जिसकी **प्लाज़्मा (विस्फोट)** संरचना एक मिलियन किलोमीटर से भी अधिक फैली हुई थी, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से दो गुना से भी अधिक है।

शामिल घटक:

- इस घटना में **सोलर फ्लेयर** और **कोरोनल मास इजेक्शन (CME)** दोनों शामिल थे।
  - **सोलर फ्लेयर सूर्य की सतह से निकलने वाले तीव्र और अचानक विद्युतचुंबकीय विकिरण के विस्फोट होते हैं,** जो चुंबकीय क्षेत्र रेखाओं के टूटने तथा पुनः संरेखित होने के कारण उत्पन्न होते हैं।
    - इन्हें **एक्स-रे की चमक** के आधार पर **A से लेकर X वर्ग** तक श्रेणीकृत किया जाता है।
    - वे प्रायः **CME के साथ-साथ आते हैं** और प्रकाश की गति से यात्रा करते हैं तथा **लगभग 8 मिनट में पृथ्वी तक पहुँच सकते हैं।**
    - **कोरोनल मास इजेक्शन (CME) आवेशित सौर प्लाज्मा का** अंतरिक्ष में विस्फोटक निष्कासन है, **जो 250 से 3000 किमी/सेकेंड** (**सौर ज्वालाओं से भी धीमी**) **की गति से यात्रा करता है** तथा **पृथ्वी तक पहुँचने में 1-3 दिन का समय लेता है।**

पृथ्वी पर प्रभाव:

- **सौर ज्वालाएँ** **भू-चुंबकीय तूफान** उत्पन्न कर सकती हैं, जो **पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र** **को बाधित कर देती हैं,** जिसके परिणामस्वरूप **रेडियो ब्लैकआउट, पावर ग्रिड विफलताएँ** तथा **निचले अक्षांशों पर दृश्यमान ध्रुवीय ज्योति उत्पन्न होती हैं।**
- उच्च ऊर्जा वाले कण **उपग्रहों, जी.पी.एस. और संचार प्रणालियों को हानि पहुँचा सकते हैं।**

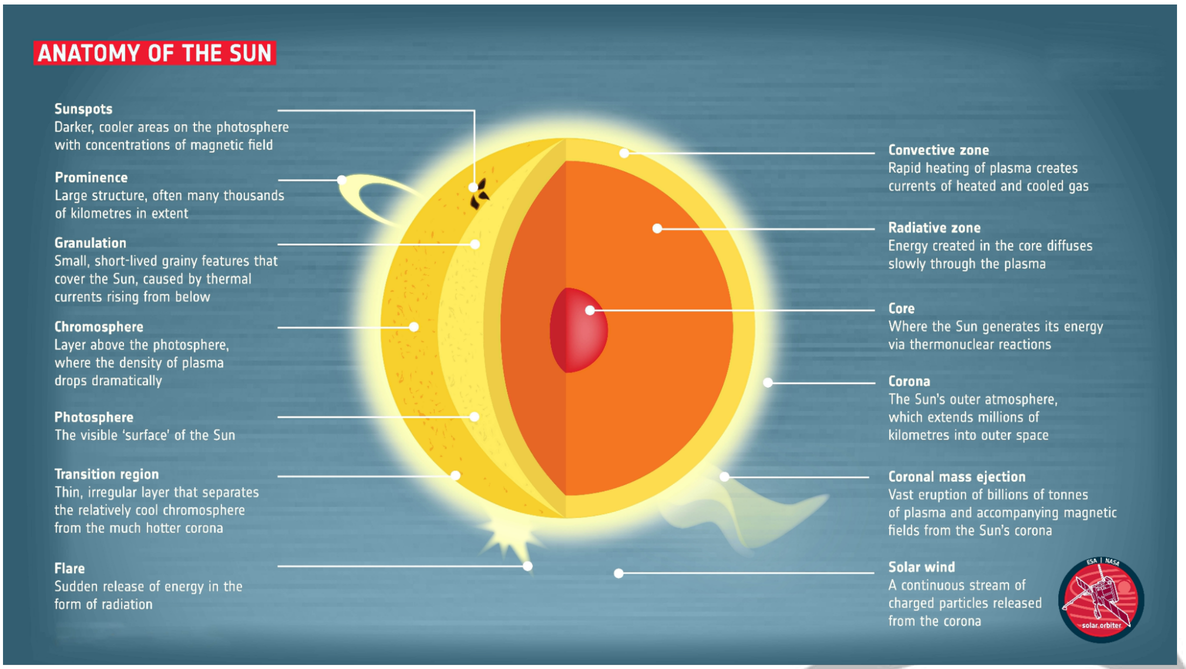

और पढ़ें: [कोरोनल मास इजेक्शन (CME)](), [सोलर फ्लेयर]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bird-wing-solar-event